जून 2019 तक तैयार होगा एक लेन

दिसंबर में परिवहन मंत्रालय की केंद्रीय टीम गांधी सेतु पहुंच करेगी कार्यों की समीक्षा

अहमद रजा हाशमी • पटना सिटी

उत्तर बिहार को पटना से जोड़ने वाले महात्मा गांधी सेतु का पश्चिमी लेन जून 2019 तक स्टील से तैयार हो जाएगा। इस लेन से सभी तरह के वाहनों का परिचालन उसी वर्ष शुरू कर दिया जाएगा। इस लेन का सुपर स्ट्रक्चर तैयार करने के लिए गुजरात के ईसार से 1800 टन स्टील मंगाया जा रहा है। यह जानकारी बुधवार को निर्माण कंपनी के आधिकारिक सूत्र ने दी। उन्होंने बताया कि अभी पाया संख्या 17 का स्पैन काटने का काम जारी है। काम में तेजी लाने के लिए वैशाली डीएम व एसएसपी के निर्देशानुसार सेतु पर वाहनों का डायवर्सन पाया संख्या 18 से बढ़ा कर 24 कर दिया गया है।

कंपनी के अधिकारिक सूत्र ने बताया कि सेतु के पश्चिमी लेन पर चल रहे कार्यों की प्रगति को देखने के लिए 15 दिसंबर तक सड़क परिवहन मंत्रालय भारत सरकार के मुख्य अभियंता, प्रबंध निदेशक समेत अधिकारियों के दल के गांधी सेतु पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने

पाया संख्या 17 के पास काटा जा रहा स्पैन • जागरण

जून तक टूट जाएगा सभी 46 पिलरों से जुड़ा पश्चिमी लेन, वाहनों का डायवर्जन पाया संख्या 18 से बढ़ा कर किया गया 24

बताया कि जून 2018 तक सेतु के सभी 46 पायों से जुड़े पश्चिमी लेन की सड़क को काटने का काम पूरा हो जाएगा। अप्रैल 2018 तक पाया संख्या एक से तीन तक का सुपर स्ट्रक्चर स्टील से तैयार कर लिया जाएगा। लेन को कटने के साथ ही इसके निर्माण का कार्य भी पीछे से जारी रहेगा।

कंपनी के अधिकारिक सूत्र ने बताया गुजरात के ईसार से आने वाले जंगरोधी स्टील की पहली 600 टन की खेप मार्च 2018, तक पहुंच जाएगी। इस स्टील से सुपर स्ट्रक्चर चयनित कंपनी में पूरी तरह से तैयार होकर पटना पहुंचेगा। इसे कंपनी के अभियंताओं द्वारा सेतु पर सेट किया जाएगा। फोरलेन वाले गांधी सेतु के पूर्वी लेन को काटने और उसका सुपर स्ट्रक्चर स्टील से बनाने का काम वाहनों का परिचालन पश्चिमी लेन से शुरू होने के बाद ही आरंभ होगा।

सेतु पर लंबा वन-वे

गांधी सेतु पर कुल 46 पायों में से पाया संख्या एक से लेकर 24 तक के बीच वाहनों का वन-वे परिचालन शुरू हो गया है। इसी लेन से पटना से हाजीपुर जाने तथा हाजीपुर से पटना आने वाले वाहनों का परिचालन जारी है। इस कारण इस लेन पर हर समय वाहनों की लंबी कतार देखी जा रही है। किसी वाहन के वन-वे में खराब होकर रुक जाने से जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। तैनात पुलिस अधिकारी का कहना है कि सेतु पर रखे गए क्रेनों की मदद से खराब वाहन को तुरंत हटा लिया जाता है। छोटे वाहनों का परिचालन गायघाट से तेरसिया गांव को जोड़ने वाले पीपा पुल से शुरू होते ही गांधी सेतु से जाम की समस्या का अंत हो जाएगा। इससे पुल निर्माण कार्य में भी तेजी आएगी।